

भिषकिप्रया (2. भिषन् + प्रि°) f. *Cocculus cordifolius* DC. (गुडूची) RĀĀN. im ÇKDr.

भिषगित्त (2. भिषन् + जित्) n. *Arznei* TRIK. 2, 6, 13.

भिषग्भद्रा (2. भिषन् + भ°) f. eine Art *Croton* (भद्रदत्तिका) RĀĀN. im ÇKDr.

भिषज्यातृ (2. भिषन् + मा°) f. *Justicia Adhadota* Lin. RĀĀN. im ÇKDr. — Vgl. वैद्यमातृ.

1. भिषन्, भिषक्ति *heilen*: भिषक्ति विश्वं पतुर्म RV. 8, 68, 2. — Vgl. भेषज.

2. भिषन् (= 1. भिषन्) UNĀDIS. 1, 137. gaṇa गर्गादि zu P. 4, 1, 105. 1) adj. *heilend*; subst. *Arzt* AK. 2, 6, 2, 8. H. 472. HALĀJ. 2, 457. भिषक्तं वा भिषज्ञां वृणोमि RV. 2, 33, 4. 6, 30, 7. रूतं भिषगिच्छति 9, 112, 1. त्वं भिषग्भेषजस्यासि कर्ता AV. 5, 29, 1. अथौ भिषज्ञां सुभिषक्तमाः 6, 24, 2. 8, 7, 26. die Açvin RV. 1, 116, 16. 137, 6. 8, 18, 8. 73, 1. 10, 39, 3. 5. AV. 7, 33, 1. Ait. Br. 1, 18. — VS. 16, 5. 19, 12. 88. 30, 10. ÇAT. Br. 4, 2, 5, 3. 8, 2, 1, 3. TS. 6, 4, 9, 2. M. 3, 180. N. 9, 29. Spr. 2633. 4664. Suçr. 1, 60, 11. 122, 4. RAGH. 3, 12. VARĀH. BRH. S. 9, 32. 13, 17. KATHĀS. 29, 176. 39, 8. आ-युर्वेदम् — समिषक्त्रियम् (भिषज्ञां क्रियाम् die neuere Ausg.) HARIV. 1339. भिषग्वर Verz. d. Oxf. H. 321, a, 4. अश्विनौ च भिषग्वौ VARĀH. BRH. S. 48, 56. भिषक्तर AV. 19, 2, 3. भिषक्तम् RV. 2, 33, 4. BUĀG. P. 4, 30, 38. 6, 9, 49. die Açvin 9, 3, 13. — 2) m. so v. a. भेषज *Heilmittel*: शतं ते राजन्भिषजः सृक्षन् RV. 1, 24, 9. शतं क्षस्य भेषजः सृक्षन्मुत वी-रुधः AV. 2, 9, 3. अन्नं भिषक्स्मृतम् MAITREJUP. 6, 13. — 3) m. N. pr. eines Mannes mit dem patron. Ātharvaṇa Ind. St. 3, 439; vgl. ebend. 1, 291. N. pr. eines Sohnes des Çatadhanvan HARIV. 2037. — Vgl. शत°, सु°.

भिषज्ञावर्त m. unter den Beinn. Kṛṣṇa's MBh. 12, 1310. Die Scho-
lien erklären: भिषज्ञौ अश्विनौ आवर्तत इत्यावर्तस्तयोः पिता सूर्यः.

भिषज्य (von 2. भिषन्, भिषज्यति *heilen, curiren* gaṇa कण्डादि zu P. 3, 1, 27. RV. 8, 9, 6. भिषज्यत यदतुर्म 22, 10. VS. 19, 80. 83. Ait. Br. 1, 18. 3, 40. तत्पथभिषज्यस्तत्समद्युः ÇAT. Br. 1, 6, 2, 36. 2, 3, 2, 3. 3, 2, 2, 15. अश्विनौ कृ वा इदं भिषज्यतौ चरतुः 4, 1, 5, 8. 14. 6, 1, 2, 21. इन्द्रं वाव ते तद्विषज्यतो ऽभि समगच्छत् TS. 2, 3, 3, 7. TBa. 1, 3, 11, 2. 3. partic. भिषज्यत (so ist zu lesen st. भिषज्यत, भिषज्यित und भिषज्यायत der Hdschr.) ÇAT. Br. 6, 2, 2, 40.

भिषज्य (von भिषज्य) 1) adj. *heilkräftig*: तनूः KATH. 10, 9. 27, 4. — 2) f. आ *Heilung* ÇĀṆKU. Br. 3, 9. 6, 10. 18, 6. 29, 1. — Vgl. डर्भियज्य.

भिज्ञ m. gaṇa गर्गादि zu P. 4, 1, 105.

भिज्ञज्य, भिज्ञज्यति = भिषज्य *heilen* gaṇa कण्डादि zu P. 3, 1, 27. स-
रस्वती त्वा मधवन्नभिज्ञक्त् RV. 10, 131, 3.

भिष्मा f. v. 1. für भिस्मा AK. 2, 9, 48.

भिम्मिका, भिम्मिता, भिष्मष्टा vv. II. für भिस्मटा AK. 2, 9, 19.

भिस्मटा f. angebrannter Reis AK. 2, 9, 49. H. 396.

भिस्सा f. gekochter Reis AK. 2, 9, 48. H. 393. HALĀJ. 2, 164.

भिस्सिता f. v. 1. für भिस्मटा AK. 2, 9, 49.

भिङ्ग (?) m. N. pr. eines Berges SCHIEFNER, Lebensb. 308 (78).

1. भी, भीयते (die im Veda herrschende Form), भीमानः, विभीति
Duārup. 23, 2. P. 6, 1, 192. विभीतस् und विभितस् u. s. w. 6, 4, 115. Vop.

9, 31. विभ्यति; विभीयात् und विभीयात्, विभ्येयम् (MBh. 12, 459),
विभ्यत् (vgl. अ°); अविभ्युस् P. 7, 3, 83, Sch.; अविभीतः; भेषीस् und भैस्,
भैष्ट, अविष्म, अविष्म, ved. भैस् und भैम; विभीय 1. sg., विभाय (विभाय Ait.
Br. 3, 25 nach unseren Hdschr., वि° die Ausg.) P. 3, 1, 39. विभ्यतुस्,
विभ्युस्, विभीविस् (vgl. अ°), विभ्युपी; विभीयां चकार (P. 3, 1, 39. ÇAT.
Br. B. IAT. 14, 78), विभावामास Vop. 10, 3. अविभ्यत् ÇAT. Br.; अविभयत्
RV. 1, 39, 6. partic. ved. भियानै; pass. भीयते, भीते; sich fürchten (die
Ergänzung im ablat. [P. 1, 4, 25] und im gen.): भयति विश्वा भुवना पद-
धाट् RV. 4, 6, 5. 38, 8. इन्द्रादभयत् देवाः 5, 30, 5. 78, 6. 6, 23, 2. यतं इन्द्रं
भयामहे ततो नो अयं कथि 8, 30, 13. स्वनाडुत विभ्युः पतत्रिणाः 1, 94,
11. सुध्ये ते मा भैम 1, 11, 2. 2, 29, 6. 3, 30, 10. मर्त्तना विभ्युयां 9, 77, 2. 10,
42, 6. 34, 1. रमध्वं मा विभीत मत् AV. 7, 60, 1. 8, 2, 23. 10, 1. धावन्तु वि-
भ्यन्ते ऽमित्राः 5, 21, 2. VS. 1, 23. ÇAT. Br. 1, 8, 1, 16. 6, 1, 11. 7, 2, 28. 3,
1, 2, 17. एकाको विभेति 14, 4, 2, 3. कस्माच्च भिष्यत् ebend. यस्या दिशो
विभीयात् AÇV. GRH. 3, 10, 11. 11, 1. KĀND. Up. 1, 4, 2. विभियाद्यस्मा-
तस्मात्प्रतिग्रहात् M. 4, 191. न विभेति — किं मन्त्रोपात् Hip. 3, 17.
MBh. 4, 837. 3, 5099. यदि दृष्टान् विभ्येयुर्वयांसि आयादन् च 12, 459.
संज्ञातेरपात्कस्माच्च देवता अपि विभ्यन्ते R. GORR. 1, 1, 4. 4, 15, 9. RAGH.
2, 49. KUMĀRAS. 3, 9. KATHĀS. 32, 49. BUĀG. P. 7, 9, 15. 8, 11, 33. PRAB.
33, 12. विभ्यतम् BUĀG. P. 1, 7, 2. यस्य प्रभावाद्भिभ्यतः MĀRK. P. 99, 24.
रावणाद्भिभ्यतीम् BHAT. 8, 70. VID. 119. भिष्यते (impers.) मुनिभिस्त्वतः
BHAT. 16, 40. नाविभ्यत्सा — तत्राय कस्याचत् MBh. 3, 2411. 4010.
14303. 4, 665. तस्य विभीम 3, 514. 13, 2092. HARIV. 3316. R. 1, 1, 4. 2,
29, 4. 6, 84, 17. यद्विभेति स्वयं भयम् (subj.) BUĀG. P. 1, 1, 14. भोरपि य-
द्विभेति 8, 31. मा भैयोः R. 1, 39, 2. 64, 5. ÇĀK. 29, 7. BHAT. 3, 58. मा भैः
Hip. 3, 7. MBh. 3, 2610. 4, 1280. 3, 7232. 7453. R. 1, 33, 25 (zu Vielen
gesagt). VARĀH. BRH. S. 32, 6. MĀRK. P. 127, 3. कुम्भकर्षाव भैष्ट मा
BHAT. 13, 40. मा भैष्ट MBh. 3, 11479. HARIV. 11034 (S. 796). Auffallend
sind der instr. (KATHOP. 1, 12) und der acc. (BRAHMA-P. in LA. [II] 30, 13)
bei भी. Das med. विभ्ये MBh. 3, 16982. 13, 398. fürchten für, besorgt
sein für: न युवां यक्ष्णं प्राप्नोति जीवितद्वैतमर्ह्यः R. 6, 1, 28. भीते sich
fürchtend, erschrocken, in Angst seind TRIK. 3, 1, 11. H. 363. MED. 1.
40. HALĀJ. 2, 199. भीतस्य स्वो महिमापचक्राम ÇAT. Br. 2, 2, 4, 4. 9, 1, 4,
39. M. 7, 93. 94. BHAG. 11, 36. N. 12, 86. भीतास्मि विन्नने वने MBh. 3,
2364. 2369. 3, 7038. 12, 4282. R. 1, 33, 22. 2, 51, 8. 3, 48, 2. Spr. 3172.
VID. 123. °चित् Daç. 2, 19. भीता पतनभेदाभ्याम् ÇIKSHĀ in Ind. St. 4, 268.
मरणादीतिः M. 11, 29. अकार्यकरणात् Spr. 3367. MBh. 3, 7444. भयात्
R. 1, 33, 23. ÇĀK. in LA. (II) 34, 13. शयैः R. 1, 8, 20. Vop. 3, 20. धार्तरा-
ष्ट्रस्य MBh. 2, 2361. mit der Ergänzung compon. P. 2, 1, 37. Vārtt.
भय° Spr. 323. प्राणविनाशभय° PAKĀT. ed. orn. 33, 17. शीत°, रण°.
अग्नि° Spr. 3073. मृत्यु° KATHĀS. 27, 40. स्यन्दनालोक° erschreckt durch
ÇĀK. 32. निर्हृद्° BUĀG. P. 7, 9, 15. पुत्रकलत्रनाश° fürchtend für, besor-
gend PAKĀT. 33, 2. भीतभीत über die Maassen erschrocken BHAG. 11, 35.
R. 4, 18, 12. Spr. 2049. KATHĀS. 4, 78. VID. 266. सुभीत Spr. 3277. भी-
तम् adv. ÇIKSHĀ in Ind. St. 4, 271. अभीतचारिन् unerschrocken R. 5, 37,
39. भीतवत् und अभीतवत् Spr. 2030. R. 1, 2, 12. भीत n. Furcht MED.;
vgl. अभीत und निर्भीत. — Vgl. भ्यत्.

— caus. 1) भीर्यते erschrecken (trans.), schrecken, einschüchtern P.